**CLASS : 12th (Sr. Secondary)** **Code No. 250**

**Series : SS/Annual-2023**

*रोल न०* | | | | | | | | | | |

# उत्तर मध्यमा सह वरिष्ठ माध्यमिक परीक्षा संस्कृत साहित्य वेद सिद्धान्त (आर्ष पद्धति गुरुकुल)

**Sub Code : 1201/SKS**

(Only for Fresh/Re-appear/Improvement/Additional Candidates)

*समय : **3** घण्टे ]* *[ पूर्णांक : **80***

- *कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **7** तथा प्रश्न **9** हैं।*
- *प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिये गये **कोड नम्बर** को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख्य-पृष्ठ पर लिखें।*
- *कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।*
- *उत्तर-पुस्तिका के बीच में खाली पन्ना/पन्ने न छोड़ें।*
- *उत्तर-पुस्तिका के अतिरिक्त कोई अन्य शीट नहीं मिलेगी। अतः आवश्यकतानुसार ही लिखें और लिखा उत्तर न काटें।*
- *परीक्षार्थी अपना रोल नं० प्रश्न-पत्र पर अवश्य लिखें। रोल नं० के अतिरिक्त प्रश्न-पत्र पर अन्य कुछ भी न लिखें और वैकल्पिक प्रश्नों के उत्तरों पर किसी प्रकार का निशान न लगाएँ।*
- *कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व यह सुनिश्चित कर लें कि प्रश्न-पत्र पूर्ण व सही है, **परीक्षा के उपरान्त इस सम्बन्ध में कोई भी दावा स्वीकार नहीं किया जायेगा।***

*निर्देश :- सर्वे प्रश्नाः समाधेयाः।*

**खण्ड - क**

**(बहुविकल्पीयप्रश्नाः)**

**1.** निम्नाङ्कितानां किमप्येकं समुचितमुत्तरं लिखत - $1 \times 16 = 16$

(i) शुकनासोपदेशे शुकनासः कः ?

(क) मन्त्री (ख) पुरोहितः

(ग) द्वारपालः (घ) राजा

(ii) यजुर्वेदस्य सप्तत्रिंशाध्याये कति मन्त्राः सन्ति ?

(क) 19 (ख) 20

(ग) 21 (घ) 22

(iii) 'देवस्य त्वा सवितुः' इत्यस्य कः स्वरः ?

(क) निषादः (ख) ऋषभः

(ग) गान्धारः (घ) पञ्चमः

(iv) 'प्रैतु ब्रह्मणस्पतिः' मन्त्रस्यास्य को विषयः ?

(क) स्त्रीपुरुषविषयः (ख) यज्ञः

(ग) योगाभ्यासः (घ) न कोऽपि

(v) यज्ञात् किं भवति ?

(क) अन्नम् (ख) कर्म

(ग) पर्जन्यः (घ) भूतम्

(vi) स्मृतिभ्रंशाद् किं भवति ?

(क) क्रोधनाशः (ख) कामनाशः

(ग) लोभनाशः (घ) बुद्धिनाशः

(vii) कामात् कोऽभिजायते ?

(क) लोभः (ख) क्रोधः

(ग) मोहः (घ) मदः

(viii) 'मखस्य' इति पदस्य कोऽर्थः ?

(क) यज्ञस्य (ख) विज्ञानस्य

(ग) जीवस्य (घ) सर्वे एते

(ix) ईश्वरः किं स्वरूपः ?

(क) निर्गुणः (ख) सगुणः

(ग) उभयविधः (घ) न कोऽपि

(x) ईश्वरः कीदृशो नास्ति ?

(क) सादिः (ख) अनादिः

(ग) नित्यः (घ) चेतनः

(xi) यज्ञशिष्टाशिनः सन्तः कैर्मुच्यन्ते ?

(क) सर्वभोगैः (ख) सर्वमदैः

(ग) सर्वकिल्बिषैः (घ) सर्वरोगैः

(xii) इच्छाद्वेषप्रयत्नसुखदुःखज्ञानानि कस्य लिङ्गानि ?

(क) जीवस्य (ख) प्रकृतेः

(ग) ईश्वरस्य (घ) सर्वेषाम्

(xiii) लक्ष्मीः पारिजातपल्लवात् किं गृहीतवती ?

(क) मदम् (ख) नैष्ठुरम्

(ग) रागम् (घ) वक्रताम्

(xiv) अपरिणामोपशमः कः ?

(क) लक्ष्मीमदः (ख) मित्रमदः

(ग) यौवनमदः (घ) कोऽपि न

(xv) 'पातालगुहा' अस्मिन् पदे कः समासः ?

(क) बहुव्रीहिः (ख) तत्पुरुषः

(ग) द्वन्द्वः (घ) कर्मधारयः

(xvi) वैदिकगीतायाः पञ्चमाध्याये कति श्लोकाः सन्ति ?

(क) 5 (ख) 6

(ग) 7 (घ) 8

## खण्ड – ख

## (अतिलघूत्तरीयाः प्रश्नाः)

**2.** अधोलिखितानां प्रश्नानामुत्तराणि विधेहि - $2 \times 7 = 14$

(क) परमेश्वरो व्यापक आहोस्विद् देशविशेषेऽवतिष्ठते ? स्पष्टी कुरु।

(ख) सर्वशक्तिमान् इत्यस्य कोऽर्थः ?

(ग) के त्रयस्त्रिंशद् देवाः ?

(घ) कियन्तो वसवः, के च, कस्माच्च ते वसवः ?

(ङ) ईश्वरोपासनायाः किं फलम् ?

(च) जीवात्मा स्वतन्त्रः परतन्त्रो वा ? विवेचयत।

(छ) 'अहं ब्रह्मास्मि' अस्यार्थं स्पष्टयत।

**3.** मन्त्रपूर्तिं कुरुत - $2 \times 3 = 6$

(क) गर्भो देवानाम्।

(ख) अहः केतुना जुषताम्।

(ग) सविता प्रथमेऽहन्नग्निर्द्वितीये।

## खण्ड – ग

## (लघूत्तरीयाः प्रश्नाः)

**4.** अधोलिखितयोः मन्त्रयोः सप्रसङ्गं व्याख्या कार्या - $4 \times 2 = 8$

(क) देवी द्यावापृथिवी मखस्य वामद्य शिरो राध्यासं देवयजने पृथिव्याः। मखाय त्वा मखस्य त्वा शीर्ष्णे।

(ख) वाचे स्वाहा प्राणाय स्वाहा प्राणाय स्वाहा।

चक्षुषे स्वाहा चक्षुषे स्वाहा श्रोत्राय स्वाहा श्रोत्राय स्वाहा।।

**5.** पद्य***द्वयं*** सप्रसङ्गं व्याख्याहि – $4 \times 3 = 12$

(क) यः सर्वत्रानभिस्नेहस्तत्तत् प्राप्य शुभाशुभम्।

नाभिनन्दति न द्वेष्टि तस्य प्रज्ञा प्रतिष्ठिता।।

(ख) न हि कश्चित् क्षणमपि जातु तिष्ठत्यकर्मकृत्।

कार्यते ह्यवशः कर्म सर्वः प्रकृतिजैर्गुणैः।।

(ग) दुःखेष्वनुद्विग्नमनाः सुखेषु विगतस्पृहः।
वीतरागभयक्रोधः स्थितधीर्मुनिरुच्यते।।

## खण्ड – घ

## (निबन्धात्मक-प्रश्नाः)

**6.** गद्यांशस्य सप्रसङ्गं व्याख्या विधेया – $6 \times 1 = 6$

अशिशिरोपचारहार्योऽतितीव्रो दर्पदाहज्वरोष्मा। सततममूलमन्त्रशम्यो विषमो विषयविषास्वादमोहः। नित्यमस्नानशौचवध्यो बलवान् रागमलावलेपः।

**अथवा**

इन्द्रियहरिणहारिणी च सततमतिदुरन्तेयमुपभोगमृगतृष्णिका। नवयौवनकषायितात्मनश्च सलिलानीव तान्येव विषयस्वरूपाण्यास्वाद्यमानानि मधुरतराण्यापतन्ति मनसः।

**7.** कस्याप्येकस्य चरित्रचित्रणं कुरुत - $6 \times 1 = 6$

शुकनासः ***अथवा*** लक्ष्मीः

**8.** संस्कृतभाषयाऽनूद्यताम् - $6 \times 1 = 6$

(क) मेरे विद्यालय के चारों ओर वृक्ष हैं।

(ख) देवदत्त ने पुस्तक पढ़ी।

(ग) तुम पढ़ने के लिए गुरुकुल में जाओ।

(घ) यह राजा दरिद्रों को धन देगा।

(ङ) साधु वृक्षों के पास बसें।

(च) गाँव के नीचे-नीचे जल है।

**9.** विषयमेकमाधृत्य निबन्धं निबध्नीत - $6 \times 1 = 6$

विद्या ***अथवा*** संस्कृतभाषा